

Volume 8

Issue

100

August 2022

# Absolute Truth

Know God Know Truth

Monthly Newsletter of ISKCON Delhi-NCR



## News

### ✿ **Ratha Yatra (1st July, 3rd July, 10th July)** (ISKCON, East of Kailash)

The Annual Ratha Yatra of ISKCON, East of Kailash was celebrated on July 1. Srila Prabhupada made the Ratha Yatra, a common household name, across the globe. For the past two years due to Covid restrictions, devotees were unable to organize this yatra. A chariot with Jagannatha, Baladeva and Subhadra, set out in the streets of Greater Kailash. This was accompanied by devotees, singing and dancing to the Mahamantra. Prasadam was distributed throughout and devotees offered service to the Lord by pulling the ropes or sweeping the streets. The Ratha Yatra festival was a reminder of bringing Krishna back into our hearts and re-instate Him.



## समाचार

### ✿ **रथ यात्रा (1 जुलाई, 3 जुलाई, 10 जुलाई)** (इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश की वार्षिक रथ यात्रा 1 जुलाई को मनाई गई। श्रील प्रभुपाद ने रथ यात्रा को संसार भर के प्रत्येक घर में पहुँचा दिया। पिछले दो वर्षों से कोविड पाबंदियों के कारण श्रद्धालु इस यात्रा का आयोजन नहीं कर पा रहे थे। जगन्नाथ, बलदेव और सुभद्रा के साथ एक रथ ग्रेटर कैलाश की सड़कों पर निकला। महामंत्र पर नृत्य एवं गायन करते हुए भक्तगण इसके साथ चले। पूरी यात्रा में प्रसाद वितरण किया गया तथा भक्तों ने रस्सी को खींचकर एवं सड़कों पर झाड़ू लगाकर भगवान की सेवा की। रथ यात्रा उत्सव कृष्ण को वापस लाकर पुनः हमारे हृदयों में स्थापित करने के उत्सव का स्मरण कराता है।

आईजीएफ बालिकाओं ने कीर्तन किया एवं छोटे समूहों में भगवान के सामने नृत्य किया। गोपी सज्जा और चमकीले फ्रीतों से सुसज्जित बालिकाओं ने भगवान की आरती करी। सुमधुर मंत्र जाप के साथ उनका







The IGF girls performed kirtan and danced before the Lord, in small groups. Adorned with gopi dots and bright ribbons, the girls offered arti to the Lord. Their kirtan group was one of the most prominent, with melodious chanting of the mantra which echoed in all four directions. Their Lordships were welcomed by arti, offerings and obeisances of followers.

A Ratha Yatra was organised on the campus of Sri Sri Radha Pathasarathi Temple on 3rd July. Their Lordships were accompanied by dancing and chanting devotees. At various points of the temple, devotees welcomed the chariot with aarti and bhoga. The Sunday rush at the temple participated in this yatra. Ananda Bazaar was organized, where stalls of sumptuous Jagannatha prasadam were put, reminding one, of the Ananda Bazaar of Puri. Visitors loved this festival for its transcendental chant and prasadam.

A special Ratha Yatra for children was organised on 10th July, on the campus of ISKCON, East of Kailash. The maha-arati for the Lordships was performed by H.H. Gopal Krishna Goswami Maharaja. Children of different age groups congregated in the Food Plaza area of the temple, to sing kirtan, dance, and enact snippets from the pastimes of Lord Jagannatha. The enthusiasm and devotion of little Vaishnavas was spellbinding. The Sunday crowd participated in this unique festival.



### 🌸 Jagannatha Ratha Yatra (1st July) (ISKCON, Dwarka)

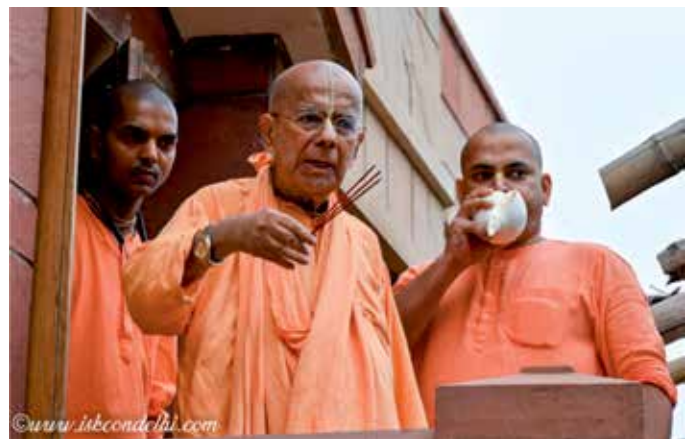
The celebration of the Ratha Yatra started with hearing the glories of Lord Jagannatha. H.G. Ravi Lochan Prabhu gave 5-day Jagannath Kathamita every morning. On the day



कीर्तन दल सबसे प्रमुख दलों में से एक था, जो चारों दिशाओं में गुंजायमान हो रहा था। परम भगवान् का स्वागत आरती, प्रसाद एवं अनुयायियों द्वारा दण्डवत प्रणामों से किया गया।

3 जुलाई को श्री श्री राधा पार्थसारथी मंदिर परिसर में रथ यात्रा का आयोजन किया गया। परम भगवान् की यात्रा के साथ नृत्य और मंत्रोच्चार करने वाले भक्त चल रहे थे। मंदिर के विभिन्न स्थानों पर भक्तों ने आरती और भोग के साथ रथ का स्वागत किया। मंदिर में रविवार की भीड़ ने भी इस यात्रा में भाग लिया। आनंद बाजार का आयोजन किया गया था, जहाँ पुरी के आनंद बाजार का स्मरण कराते हुए भव्य जगन्नाथ प्रसादम के स्टॉल लगाए गए थे। आगंतुकों ने इस त्योहार को इसके दिव्य कीर्तन एवं प्रसादम हेतु पसंद किया।

10 जुलाई को ईस्ट ऑफ कैलाश के इस्कॉन परिसर में बच्चों के लिए विशेष रथ यात्रा का आयोजन किया गया। भगवान् की महा-आरती परम पूज्य गोपाल कृष्ण गोस्वामी महाराज द्वारा की गई थी। विभिन्न आयु वर्ग के बच्चे मंदिर के फूड प्लाजा क्षेत्र में कीर्तन, नृत्य और भगवान् जगन्नाथ की लीलाओं के अंशों को प्रस्तुत करने के लिए एकत्र हुए। नन्हे वैष्णवों का उत्साह और भक्ति मंत्रमुग्ध कर देने वाली थी। इस अनोखे उत्सव में रविवार की भीड़ ने भी भाग लिया।





of the Rath Yatra procession of the Lord was taken over a wide radius of Dwarka. Every devotee wanted to pull the rope of the Lord's chariot and was eager to pull the cart of the Lord. Devotees were chanting and dancing to the tunes of Hare Krishna maha-mantra. The Lord came to shower His mercy on every soul and this was seen practically as many people came out of their homes to take a glimpse of ever merciful lord. One of the attractions of the festival was also Lord Jagannatha's Anand Bazaar. Special stalls were put up where devotees could relish the maha-prasada of Lord Jagannatha similar to Puri, ODISHA. There were also some special Oriya dishes stalls at the temple. The program was followed by melodious kirtan and sumptuous prasadam.



## ✿ Festival of Gratitude (2nd- 3rd July) (ISKCON, Dwarka)

The devotees of ISKCON Youth Forum organized a very special event to honor all the senior leaders and devotees of IYF Dwarka. These leaders have played an immense role in guiding many of the youths in Dwarka and many other places to the path of Krishnaa consciousness. Youth devotees expressed their gratitude in the form of poems, sharing their experiences, writing offerings, and preparing special gifts for their beloved senior devotees. The festival involved everything which is dear to Vaisnavas – Krsna-nama, Kirtana, prasadam, and Vaisnava-gunanuvartana, the glorification of devotees.

## ✿ Rishikesh Yatra Retreat (24th -26th June) (ISKCON, Rohini)

Around 300 devotees were registered & were accommodated into 6 buses for a yatra to Rishikesh in the association of H.H. Bhakti Ashraya Vaisnava Maharaja. Maharaja gave his divine association with discourses, Ganga Arati, holy baths & nagar sankirtan in Rishikesh. The devotees came back home enlivened and asking for more.

## ✿ Rath Yatra in Punjabi Bagh (9th July) (ISKCON, Punjabi Bagh)

On the day of the return Rath Yatra in Puri, ISKCON Punjabi Bagh organized its annual Rath Yatra festival in West Delhi. Thousands of devotees from the congregation, Youth forums, Temple residents, and regular visitors came together to celebrate this festival of joy. Lord Jagannath's rath moved

## ✿ जगन्नाथ रथ यात्रा (1 जुलाई) (इस्कॉन, द्वारका)

रथ यात्रा का उत्सव भगवान जगन्नाथ की महिमा श्रवण कर आरम्भ हुआ। श्रीमान रवि लोचन प्रभु ने 5 दिवसीय जगन्नाथ कथा में प्रतिदिन प्रातः कथामृत का पान कराया। रथ यात्रा वाले दिन भगवान की यात्रा को द्वारका के चहुँ ओर विस्तृत घेरे में ले जाया गया। हर भक्त भगवान के रथ की रस्सी खींचना चाहता था और भगवान का रथ खींचने के लिए उत्सुक था। भक्त हरे कृष्ण महा-मंत्र की धुन पर नृत्य और कीर्तन कर रहे थे। भगवान हर आत्मा पर अपनी कृपा बरसाने आए और यह व्यावहारिक रूप से देखा भी गया जब कई लोग सदा दयालु भगवान की एक झलक पाने हेतु अपने घरों से बाहर निकले। त्योहार के आकर्षण में से एक भगवान जगन्नाथ का आनंद बाजार भी था। विशेष स्टाल लगाए गए थे जहाँ भक्त पुरी, ओडिशा के समान भगवान जगन्नाथ के महा-प्रसाद का आनंद ले सकते थे। मंदिर में कुछ विशेष उड़िया व्यंजन के स्टॉल भी थे। कार्यक्रम में मधुर कीर्तन के उपरान्त भव्य प्रसाद भी रखा गया।

## ✿ आभार उत्सव (2-3 जुलाई) (इस्कॉन, द्वारका)

आई वाई एफ द्वारका के सभी वरिष्ठ नेतृत्व एवं भक्तों को सम्मानित करने हेतु इस्कॉन युवा मंच के भक्तों ने एक बहुत ही विशेष कार्यक्रम



IYF DWARKA, DELHI

# FESTIVAL OF GRATITUDE 2022

2nd-3rd JULY 2022  
Sat-Sun

ONLY FOR BOYS

**In Association of**

HG Amogh Lila Prabhu Ji  
And  
HG Ram Narayan Prabhu Ji

**VENUE**  
CBSM, ISKCON Dwarka

**HIGHLIGHTS**

- Kirtan Mela
- Power-packed lectures
- Maha-Harinam
- Delicious Prasadam
- Drama
- Glorification
- And lot more...

**COME AND DRENCH YOURSELF IN THE SHOWERS OF MERCY!!!**

Scan to Register

**FOR QUERY: MANJOT PRABHU (87005-74073)**





for several kilometers amidst loud chanting of the holy names in captivating melodies, prasadam distribution, and ecstatic dancing. Many passersby came forward to help pull the rath while enjoying the celebrations. Organizers and devotee volunteers ensured that all permissions were in place, traffic was given way on open roads, and the roads were cleansed after the yatra was completed.

## A Special Ratha Yatra for Kids

A special Jagannath rath yatra was organized by the little students and teachers of Hare Krishna Sunday School. More than 250 kids along with their parents participated in this blissful festival. The kids decorated and pulled the chariot, lead kirtans and danced, honored prasadam, and performed various devotional services.



आयोजित किया। इन वरिष्ठ भक्तों ने द्वारका एवं कई अन्य स्थानों में कई युवाओं को कृष्ण भावनामृत के मार्ग पर ले जाने में बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। युवा भक्तों ने अपने अनुभव साझा करने हेतु कविताओं के रूप में, प्रस्तावनाएँ लिखकर एवं अपने प्रिय वरिष्ठ भक्तों हेतु विशेष उपहार तैयार करके आभार व्यक्त किया। कृष्ण-नाम, कीर्तन, प्रसादम, भक्तों की महिमा और वैष्णव-गुणानुवर्णन आदि उत्सव में वह सब कुछ शामिल था जो वैष्णवों को प्रिय है।

## ✿ ऋषिकेश यात्रा रिट्रीट (24-26 जून) (इस्कॉन, रोहिणी)

परम पूज्य भक्ति आश्रय वैष्णव स्वामी महाराज के साथ ऋषिकेश की यात्रा हेतु लगभग 300 भक्तों को पंजीकृत कर 6 बसों में यात्रा को रवाना किया गया। महाराज ने ऋषिकेश में प्रवचन, गंगा आरती, पवित्र गंगा-स्नान और नगर संकीर्तन के माध्यम से अपना दिव्य संग प्रदान किया। भक्तगण अत्यंत उत्साहित होकर पुनः यात्रा की माँग के साथ घर वापस लौट आए।

## ✿ पंजाबी बाग में रथ यात्रा (9 जुलाई) (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

पुरी में वापसी रथ यात्रा के दिन, इस्कॉन पंजाबी बाग ने पश्चिमी दिल्ली में अपना वार्षिक रथ यात्रा उत्सव आयोजित किया। आनन्द के इस उत्सव को मनाने हेतु गृहस्थ मंडली के भक्त, युवा मंच के भक्त, मंदिर के निवासी भक्त और नियमित आगंतुकों में से हजारों भक्त एक साथ आए। मनमोहक कीर्तन की धुनों, प्रसाद वितरण और उत्साहपूर्ण नृत्य में पवित्र हरिनाम के जोरदार उच्चारण के मध्य भगवान जगन्नाथ का रथ कई किलोमीटर तक चला। उत्सव का आनंद लेते हुए कई राहगीर रथ खींचने की सेवा के लिए आगे आए। आयोजकों और भक्त स्वयंसेवकों ने यह सुनिश्चित किया कि सारी जगह सभी अनुमतियाँ प्राप्त हो जाएँ, खुली सड़कों पर यातायात दिया जाए और यात्रा पूरी होने के उपरान्त सड़कों को साफ किया जाए।





## ✿ IYF Kirtan at Jantar Mantar (9th July) (ISKCON, Dwarka)

ISKCON Youth Forum carried out an ecstatic harinama sankirtan at Jantar Mantar followed by prasadam distribution. Each devotee was putting his heart into distributing the name and fame of Krishna to everyone present.

## ✿ Distributing Srila Prabhupada's Mercy (11th July onwards) (ISKCON, Punjabi Bagh)

The importance of the distribution of 'transcendental literature which is presented by Srila Prabhupada cannot be over-stated. Always keeping this aim in mind, the book distribution team marched forward with full enthusiasm to reach out to varied people. The Sankirtan team left for the book distribution sankirtan trip to cover the cities of Alwar, Jaipur, Bikaner, Ajmer, Mt. Abu, Udaipur and Kota.

## ✿ Disappearance day of Srila Sanatana Goswami (13th July)

The appearance and disappearance of a Vaishnava are both occasions to celebrate. Srila Sanatana Goswami's disappearance day was celebrated with pushpanjali and kirtan. Devotees remembered the teachings of the great acharya, who was instructed personally by Chaitanya Mahaprabhu.

## ✿ First month of chaturmasya begins (14th July)

The first month of Chaturmasya began from 14th July. Devotees refrain from consuming green leafy vegetables during this month.

## ✿ Disappearance day of Srila Gopala Bhatta Goswami (18th July)

Srila Gopala Bhatta Goswami's disappearance was celebrated with pushpanjali and kirtan. His instructions for spiritual progress were remembered. Devotees glorified the exalted acharya and sought his blessings, for advancing in spiritual life.



## बालकों हेतु विशेष रथ यात्रा आयोजन

हरे कृष्ण रविवारीय विद्यालय के नन्हे-मुन्नों व शिक्षकों द्वारा विशेष जगन्नाथ रथ यात्रा का आयोजन किया गया। इस आनंदमय उत्सव में 250 से अधिक बच्चों ने अपने माता-पिता के साथ भाग लिया। बच्चों ने रथ को सजाया, कीर्तन का नेतृत्व किया, रथ खींचा, नृत्य किया, प्रसाद सेवन किया और विभिन्न भक्ति सेवाओं का निष्पादन किया।



## ✿ जंतर मंतर पर युवा मंच द्वारा कीर्तन (9 जुलाई) (इस्कॉन, द्वारका)

इस्कॉन युवा मंच ने जंतर-मंतर पर हर्षोल्लास से भरा हरिनाम संकीर्तन किया और उसके बाद प्रसाद वितरण किया। प्रत्येक भक्त उपस्थित सभी श्रद्धालुओं को कृष्ण का नाम और कीर्ति बांटने में हृदय से लगा हुआ था।

## ✿ श्रील प्रभुपाद की दया का वितरण (11 जुलाई से) (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

श्रील प्रभुपाद द्वारा प्रस्तुत किये गए दिव्य साहित्य के वितरण, की महिमा अवर्णनीय है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए पुस्तक वितरण दल ने विभिन्न लोगों तक पहुँचने हेतु पूरे उत्साह के साथ आगे बढ़ते हुए पदार्पण किया। संकीर्तन दल अलवर, जयपुर, बीकानेर, अजमेर, माउंट-आबू, उदयपुर और कोटा शहरों में पुस्तक वितरण करने हेतु पहुँचने को संकीर्तन यात्रा के लिए रवाना हुआ।

## ✿ श्रील सनातन गोस्वामी का तिरोभाव दिवस (13 जुलाई)

वैष्णव का प्राकट्य एवं तिरोभाव दोनों ही उत्सव के अवसर हैं। श्रील सनातन गोस्वामी का तिरोभाव दिवस पुष्पांजलि और कीर्तन के साथ मनाया गया। भक्तों ने महान आचार्य की शिक्षाओं का स्मरण किया, जिन्हें चैतन्य महाप्रभु द्वारा व्यक्तिगत रूप से निर्देश दिया गया था।

## ✿ चातुर्मास्य का प्रथम माह आरम्भ (14 जुलाई)

14 जुलाई से चातुर्मास्य का पहला महीना आरम्भ हो गया है। इस महीने में भक्त हरी पतेदार सब्जियों के सेवन से परहेज करते हैं।

## ✿ श्रील गोपाल भट्ट गोस्वामी का तिरोभाव दिवस (18 जुलाई)

श्रील गोपाल भट्ट गोस्वामी के तिरोभाव दिवस का उत्सव पुष्पांजलि और कीर्तन के साथ मनाया गया। आध्यात्मिक प्रगति हेतु उनके निर्देशों का स्मरण किया गया। भक्तों ने उच्च वैष्णव आचार्य की महिमा का गायन किया और आध्यात्मिक जीवन में आगे बढ़ने हेतु उनके आशीर्वाद की कामना की।

# THE SIGNIFICANCE OF SRILA PRABHUPADA

*By H.H. Bhakti Vikasa Swami*

The honorific title Prabhupada is properly used for designating those very great spiritual masters who have made an outstanding contribution to literature or preaching to the world. Examples are Srila Rupa Gosvami Prabhupada, Srila Jiva Gosvami Prabhupada, and Srila Bhaktisiddhanta Sarasvati Goswami Prabhupada.

When members of ISKCON speak of "Srila Prabhupada," they refer to His Divine Grace A.C. Bhaktivedanta Swami Prabhupada. A.C. Bhaktivedanta Swami is correctly addressed as Srila Prabhupada because he occupies a unique position in the religious history of the world.

In Srimad-Bhagavatam (1.5.11), Vyasadeva states that the

Bhagavatam "is meant to bring about a revolution in the impious life of a misdirected civilization." This statement clearly refers to the preaching mission heralded by Srila A.C. Bhaktivedanta Swami Prabhupada, whose purports on Srimad-Bhagavatam, composed five thousand years after Srila Vyasadeva's compilation of the Bhagavatam, have become the most important contribution for the revolutionary respiritualization of the entire human society, which was lost in the darkness of materialism.

Lord Caitanya Mahaprabhu also predicted that His holy name would be broadcast in every town and village of the world. Acaryas of His sampradaya predicted that the spread of Krsna consciousness would usher in a ten-thousand year Golden Age within the dark age of Kali. And in Caitanya Mangala, Locana dasa Thakura foretold that a great senapati (military general) would appear to widely and powerfully preach Lord Caitanya's message. That confidential task of spreading Krsna consciousness all over the world was entrusted to His Divine Grace A.C. Bhaktivedanta Swami Prabhupada.

Sri Caitanya-caritamrta confirms that unless one is specifically empowered by Krsna, he cannot infuse Krsna consciousness into the hearts of the masses. Bhaktivinoda Thakura, a great Vaisnava acarya who appeared in the nineteenth century, predicted that very soon a great personality would appear and spread Krsna consciousness all over the world. That person is clearly His Divine Grace A.C.







Bhaktivedanta Swami Prabhupada.

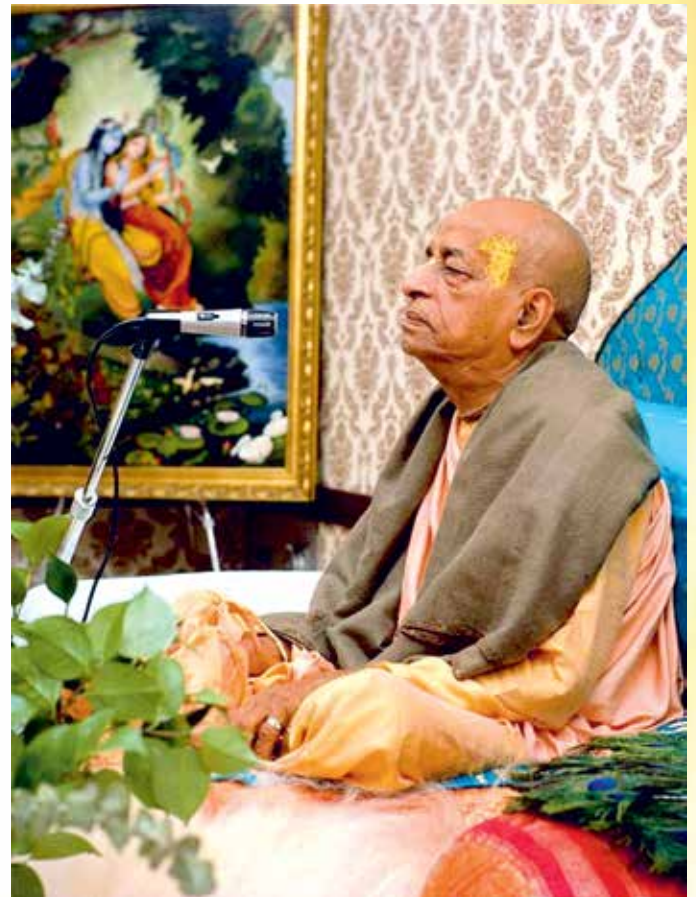
Bhaktivinoda Thakura also said that the greatness of a Vaisnava can be understood by seeing how many nondevotees he converts to Vaisnavism. To bring even a highly qualified person to Krsna consciousness is difficult, but Srila Prabhupada was so empowered by Krsna that he went amongst the most unlikely candidates — the hedonistic youth of the Western countries — and made devotees by the thousands. No one can fully understand the extraordinary task Srila Prabhupada performed. He went alone amongst persons with no standard of Vedic culture, persons brought up in a society which vigorously promotes meat-eating, illicit sex, gambling, and intoxication. They had no idea how

to receive a sadhu and were almost completely disqualified as candidates for spiritual life.

Srila Prabhupada not only entered amongst such people, but gradually managed to train many of them to the extent that now they are accepted everywhere as first-class Vaisnavas and preachers, qualified to impart Krsna consciousness to others.

In India's recent history, there were certainly many Vaisnavas who were devoted, learned, and renounced. However, the fact remains that only Srila Prabhupada was sufficiently qualified to spread Krsna consciousness all over the world. Only he had sufficient faith in the instructions of Lord Caitanya, the order of his spiritual master, and the holy name of Krsna to seriously attempt spreading Krsna consciousness outside of India. Only he had enough compassion and vision to preach the message of Lord Caitanya to those who most needed it. Only one of the topmost confidential devotees of Krsna could perform such an extraordinary task. By his unparalleled achievements, it is clear that Srila Prabhupada occupies a unique position in the history of Vaisnavism.

Srila Prabhupada was empowered to spread Krsna consciousness in a practical and straightforward way, just suitable for the modern world. Without







changing or compromising the teachings of Krsna consciousness even slightly, he presented its esoteric truths in a clear and intelligible manner, suitable for both the layman and the scholar.

Srila Prabhupada personally oversaw the expansion and development of ISKCON. He personally set up the programs which were to form the basis of ISKCON's continued expansion: production and distribution of transcendental books, harinama-sankirtana parties, temples, ashrams, prasada distribution, transcendental farm communities, gurukulas, preaching to scientists and scholars, and so on.

Srila Prabhupada personally gave detailed directions about every aspect of Krsna consciousness: how to worship Deities, how to conduct sadhana, how to preach, how to wear a dhoti, how to cook for Krsna, how to chant mantras, and so forth. Srila Prabhupada is thus the founder-acarya of ISKCON. Whatever standards and instructions comprise ISKCON have come from him. Therefore Srila Prabhupada will always remain the preeminent siksa-guru and acarya of ISKCON.

Both scripture and tradition offer various approaches to Krsna consciousness, but followers of Srila Prabhupada execute Krsna consciousness as he showed them, knowing that Srila Prabhupada, as a

faithful follower of his guru and the previous acaryas, presented Krsna consciousness in the best way for the modern age.

Srila Prabhupada's success is itself proof that his endeavors are approved, ordained, and blessed by the Supreme Lord Krsna Himself.

Srila Prabhupada gave many instructions, but certain ones are absolutely necessary for initiated disciples to follow if they claim to be genuine and serious followers of Prabhupada.

For instance, Srila Prabhupada demanded that initiated devotees rise by 4.00 a.m., attend mangala-arati, chant at least sixteen rounds of the maha-mantra every day, and undeviatingly follow the four regulative principles.

All such standards that Srila Prabhupada clearly defined are the standards to be followed in ISKCON. A rightly situated, successful follower of Srila Prabhupada is simply a faithful standard-bearer. He does not try to change or interpret the standards and programs given by Prabhupada, for he knows that whatever Srila Prabhupada has given us is perfect and complete for the re-spiritualization of the entire human society — not only for the present, but for the next ten thousand years.

### Afterthought

How can "The Significance of Srila Prabhupada" be rendered in limited words? Even if we could write millions of books, we could hardly begin to expound his glories. If we were to take the entire universe — with its planets, outer space, continents, oceans, mountains, men, demigods, and demons on one side — and one drop of dust from Srila Prabhupada's lotus feet on the other, there would be no comparison. One drop of dust from Srila Prabhupada's lotus feet is millions of times more valuable than anything the material world has to offer.



# EXPERIENCING THE SATISFACTION OF SEVA

## FOOD DISTRIBUTION PROGRAM

*By H.G. Premanjana Prabhu*

"One of the most satisfying experiences of life comes from selfless service. Srila Prabhupada, Founder Acharya -ISKCON established numerous temples to nurture this spirit of selfless service through education, devotion and culture. Our community members, well-wishers and friends sponsor free prasadam distribution at various locations, every day" - shares Shubatmaka Das from ISKCON Punjabi Bagh. He leads

to distribution. The team cooks at the temple kitchen, transports the food in their vehicle, arranges eco-friendly cups, distributes the food and does the windup. Though based at Punjabi Bagh, the team travels and distributes in all the areas in Delhi NCR. The temple kitchen is certified by the Food Safety Standard Authority of India (FSSI) and Blissful Hygienic Offering to God (BHOG) which ensures high cleaning standards, high purity of ingredients,

The team receives up to fourteen sponsor requests daily. An amount of Rs 2600 is charged for a 45-litre drum in which 200 cups can be distributed. The team distributes anywhere between 2 drums to 21 drums daily. "We don't limit distribution to just a single cup. whatever number of cups one wishes to take, the person can take." Shubatmaka Das. Upon being inquired about the challenges they experience while distributing food, one of the volunteers mentioned that everyone's preferred time of distribution is lunch time and as summer peaks in Delhi, it's quite a challenge to be out in the open to distribute. Sometimes it's extremely hot and now there are traffic jams due to the rainy season. Another volunteer shared, "Sometimes people misunderstand our motive and criticize that we have made a business out of it. But those are rare in comparison to miracles we experience. One of the things that came as a surprise to us was about the donations. We never kept donation boxes but so many people wanted to give something and they literally forced us to keep a donation box. It just made us realize that it's our intrinsic nature to give. The team now also displays various transcendental literature along with food distribution, distributing more than 150-200 small books daily.



the free food distribution program and a team which reaches out to almost three hundred people daily. This service has continued for the last 30 years, at the temple premises, catering to temple visitors or passers-by. "Earlier we used to distribute just Khichdi. Now we also distribute Rajma Chawal, Chole Chawal and Kadi Chawal" says Sundar Krishna Das who is in-charge of the Kitchen department, engaged in serving the community through cooking and distributing food.

People especially like to distribute food on their birthdays, anniversaries, marriages or any special occasion. Some people want to distribute food in their offices, factories, NGOs, Schools, orphanage, old age homes or just in their neighbourhood. They place the order at the temple and the team at ISKCON Punjabi Bagh organizes everything from cooking

usage of high-grade utensils. The cooks live a sattvic lifestyle and undergo a morning meditation practice before they start cooking.





# NAMAHATTA PREACHING PROGRAMS

Namahatta is a mother body of several offshoot preaching programs aimed at educating people of all age groups in spiritual values. Committed to contributing to the mission of Srila Prabhupada, the Founder Acharya of ISKCON, Namahatta orchestrates the following sessions and services.

## Visitor Preaching Seva

An average of 70-80 visitors, mostly from other States and far-off places are being received in Namahatta Seminar Hall and are being inspired to chant at least one round of



Hare Krishna Mahamantra on beads. This Seva also includes the sale of nearly 75 bead bags every month with 75 small books of Srila Prabhupada i.e Hare Krishna Mahamantra Ki Mahima, in Hindi. Khichdi prasadam is being distributed to all. Interested persons are being invited to Online Gita Sandesh classes. Those living near ISKCON temples are advised to attend Sunday offline classes in the temple. Also, interested persons are being guided to join their nearest Hare Krishna Centre/ISKCON Temple by giving them contact numbers of Hare Krishna Centre. This service is in line with Prabhupada's instructions for a proper reception to the guests visiting the temple. This makes their visit memorable and develops a connection with them for a lifetime.

## Deity Kitchen Fund collection:

An amount of around eleven thousand is being collected for funding the needs of the deity kitchen, Ashraya class devotees are shouldering this responsibility.

## Nitya Seva collection

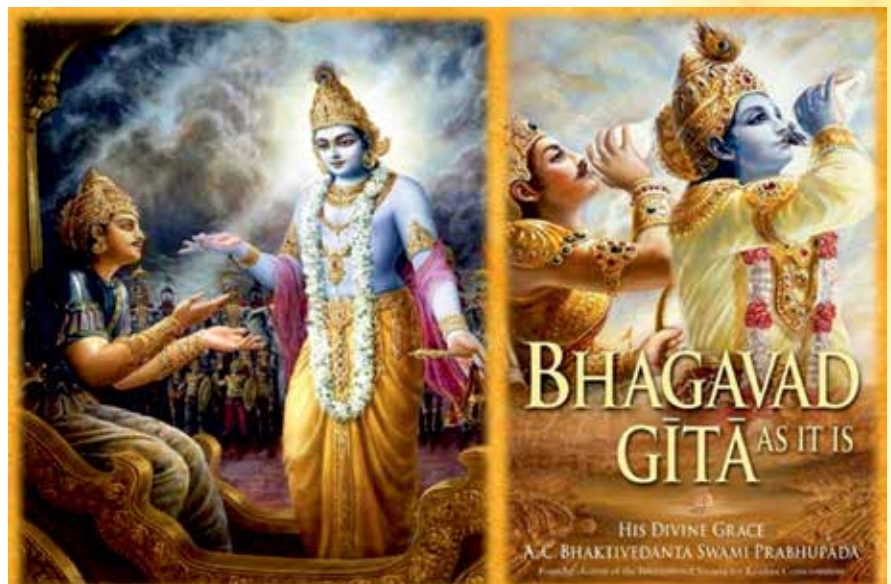
Thousands of rupees are being collected and sent online to the ISKCON Nitya Seva account, every month.

## PREACHING PROGRAMMES

### Online Programs

- **18-week Online Bhagavad Gita Summary Study Course**

Sessions based on the 18 chapters of Bhagavad Gita were conducted every week on Sunday, from 5 pm to 6:30 pm, on ZOOM. A detailed summary study of each chapter, supported by interesting PowerPoint presentations was organized. Nearly 500 applicants registered for this course. Speakers from various professional backgrounds with sound material qualifications were the USP of these sessions. The audience was encouraged to ask questions and engage in interactions based on the philosophical subject matter. Each session was followed by a Quiz, which not only reinforced what was studied but also added to the fun quotient, enjoyed by all age groups. "I was glued to the screen because each speaker brought forth such unimaginable details of scriptures, in his/her exclusive style of presentation," appreciates a participant. "The quiz and the result of who won the last week's Quiz was something we waited for desperately," chirps another member of the audience. The logical and well-founded explication of shastras floored the attendees. These sessions are now being continued as a module-based workshop on "Discover Your True Happiness". With interesting topics such as;



## Understand Bhagavad Gita in 18 Sessions

Every Sunday  
from 5.00 pm  
to 6.30 pm  
from 16<sup>th</sup> Jan  
2022

**Please don't miss this very rare opportunity!!!**

Limited seats on a first come first serve basis.

To Register, please fill the form:

<https://forms.gle/ATasiYiM9Gj33RIs7>



Why do bad things happen to good people? And Who am I? These will take the people further into the application of the teachings of the Gita in our day-to-day life.

- **Online Gita Sandesh Classes on Zoom and YouTube** are being conducted every Monday and Thursday at 6.50pm-8.15pm on the teachings of Srila Prabhupada.
- **Online Sunday Class at 7:30 pm on zoom** – for the past two years, a group of almost two hundred people have been connected through a weekly program, run every Sunday evening. This program has completed a long journey of traversing Six-day sessions, the summary study of the eighteen chapters of Bhagavad Gita and various other spiritual topics. This group has been nourished on Nava-vidha Bhakti, Exalted devotees of the Lord and various such objects of study. The question-answer sessions have added a real and practical dimension to the holistic study of scriptural content. Almost all members are chanting regularly and many are following the four regulative principles. Several members have been promoted to Ashraya level classes, giving them an opportunity to get personal attention and advice regarding the application of philosophy. Interesting PowerPoint presentations, quizzes, Q & A sessions, personalized attention, and continuous guidance on various aspects of spiritual life, have helped members of this group to grow exponentially. While there are many from Delhi, on this platform, those from abroad or far-away places, have also been catered to. The online mode diminished the distance and provided a forum for spiritual development. Elaborate calling services have ensured that devotees are kept in touch with and given regular feed to sustain their interest in spiritual life. Yatras have been organized to holy places of significance like Shukratal and Vrindavana, in order to provide a medium of real and meaningful exchange, culminating in the formation of a community, which is based on spiritual interaction. "These classes are the ones which kept me sane during these two years of the pandemic," shares a participant. Another states, "What is most wonderful is that all knowledge is available at a click and there are people you can turn to for practical problems."



## Offline

- Gitamritam class run by H.G. Sarvapriya Prabhu every Wednesday.
- Offline Ashraya classes at Namahatta Seminar Hall every day of the week by different servant leaders.

## YouTube Channel

"Gita Sandesh Yatharup" was started to promote the teachings of Srimad Bhagavad Gita-As It Is.

## Deity Kitchen Seva

Devotees of Namahatta are offering services at the deity kitchen in the capacity of cooks and helpers. Several Matajis are regularly involved in this direct service of the deities.

## Stall Seva

Temples have a footfall of thousands over a week. Each visitor is a believer who has a certain amount of faith. When this faith is fanned by spiritual knowledge and nourished by regular input, a devotee is created. The stall seva team engages in this important service of connecting visitors to the ongoing programs of the temple. On the basis of their needs and location, programs are suggested to them. This system is successful as a live outreach model. It fires the promotion of temple programs amidst general public. Putting up a stall in the temple, at a strategic location, the team members take out time to talk to as many visitors as possible, exchanging contacts and giving valuable information. They make around five hundred people chant every weekend and on an average three hundred and fifty people are given the gift of the Holy Name daily. Upcoming festivals, ongoing preaching programs, programs for various age-groups: elderly, children and the youth: are some of the pieces of information provided liberally by this hard-working group. They encourage people staying far away from temples, to become connected through Nitya Seva, and online forums. This team is also the leading book distribution team of Namahatta. Making the holy literature available to thousands, they work against all logistical odds to serve the guests who throng the temple. They are monumental in promoting ISKCON as an educational institution, committed to the inculcation of spiritual knowledge.





## VAIKUNTHA FUN SCHOOL REPORT JULY 2022

Vaikuntha Fun School is an integral part of the Namahatta Program. It is driven by the futuristic vision of imparting spiritual values to the next generation. It provides a platform for young minds, to explore and imbibe Vedic culture. The elaborate, multidimensional approach exhibits itself in the form of the following parallelly running sessions:

### 1. SUNDAY CLASS

Is held at Sri Sri Radha Parthasarathi temple, East of Kailash, every Sunday evening. Around 25 children in the



age group of 4-13 years attend this class every Sunday. An activity- based approach is followed to teach little devotees through art, craft, drama, shloka recitation etc.

### 2. SATURDAY ONLINE CLASS

Every Saturday an online class is conducted to cater to the kids who stay far away from the temple and who joined VFS especially during COVID. There are kids from various cities of India, such as Agra, Lucknow, Mumbai etc.

### 3. KRISHNA BOOK READING CLASS

Every Sunday morning, Krishna book reading class is held wherein kids read one chapter of Krishna book together, followed by quiz. The aim is to encourage them to appreciate and develop an interest in Srila Prabhupada's books.

**In addition to the above, the program is embellished with**

1. Regular camps: Summer Camp, Winter Camp, Kartik Mela; which help kids remain enthusiastic in spiritual life.
2. Bal Gopal Sanga a combined initiative of VFS and Ashraya Vaishnavi Forum collects the donation of rupees 8000 per month on an average, for various purposes like cow care, Tulsi care, Food for life etc.

## ASHRAY VAISHNAVI FORUM

The qualities of a chaste woman have been elaborated in Srimad Bhagavatam; however, the modern education system fails to impart values with respect to this aspect of human life. Ashraya Vaishnavi Forum aims to bridge this gap, with its focus on spiritual values of young Vaishnavis, thus creating not just successful women at work but also Vedic mothers and wives abiding by the scriptures, leading to a happier and more peaceful society. The Vaishnavis are given values from great scriptures like Srimad Bhagavad Gita, Srimad Bhagavatam and are encouraged to share their daily routine charts which comprises of number of school study hours along with the time spent in devotional activities, helping their parents/grandparents, devotional reading and chanting etc.

In the last couple of months, Ashraya Vaishnavi Forum has organized various activities for young Vaishnavis: workshops on stitching clothes for the deities, garland making etc. The young Vaishnavis also participated in various Shobha



Yatras, Jagannath Yatra and performed ecstatic kirtan for the pleasure of Their Lordships. A spiritual picnic was organized at Jagannath Temple in Haus Khas, which was enjoyed by almost 35 Vaishnavis. A morning Japa session is conducted every day at 5:30 am IST in which the girls start their day with Mangala Arti and Guru Puja along with congregational chanting with fellow Vaishnavis. Apart from

this, weekly Ashray classes are conducted coupled with Krishna Book reading sessions, twice a week.

With the inception of Ashraya Vaishnavi Forum along with Vaikuntha Fun School we started a combined initiative of "Bal Gopal Sanga" with a mission to give back to society, bringing a change in the young ones. Through this noble initiative, we were able to generate a contribution of INR 8,000 per month which is used for services like Cow care, Tulasi care, Food for Life etc. Under the constant and priceless guidance of H.G. Sarvapriya Prabhu, many more such activities will be planned, in the near future.



# KRISHNA BHAVA DAS

## THE DISTRIBUTOR OF 50,000 BHAGAVAD GITAS AND 108 SETS OF CHAITANYA CHARITAMRTA

*By H.G. Premanjana Prabhu*

### **The beginning of book distribution**

Krishna Bhava Das is a stout 68-year-old devotee, with nerves of steel and a cotton-like demeanour. Rooted in the rustic value system, a businessman by profession, he had an instant attraction for book distribution. His Krishna conscious journey began around fourteen years back, when he was introduced to it by his relative. Getting initiated in 2010, he undertook door to door distribution, with an intention to please his spiritual master His Holiness Gopal Krishna Goswami Maharaja. Encouraging his study class group devotees, he would gather a score of over 250 books, each December marathon.

### **Breakthrough**

During a Shobha yatra during Kartik, someone approached him for sponsoring Bhagavad Gitas. He received five Gitas for the laxmi he offered. This triggered an idea to adapt this model for distribution. Being in the business of construction and properties, he called out a meeting of some of his known persons and invited Keshav Murari Prabhu to address them. At the conclusion of the talk, he requested the group to help in the distribution of Gita and everyone agreed to contribute: some 5 copies,

some 11, some 21 and some 108 copies.

"That was my first experience of distributing more than one copy. I remember one person who had entered the meeting only at the very end said I will also contribute 1100. Everyone cheered and clapped for him. Only later he found out that one Gita cost Rs 100 at that time and cleared himself that I meant Rs 1100 not 1100 Bhagavad Gitas. We all had a good laugh"

Once he gifted a Bhagavad Gita to a Medical Officer, on a visit to the hospital which housed his relative fighting a life-threatening disease. The officer told him after a couple of days, "I have read many versions of Bhagavad Gita, but I have never ever read this particular Gita by Bhaktivedanta Swami. And I can say that for the first time I am beginning to understand Gita. I never knew about Krishna and this philosophy. Thank you"

Hearing this appreciation from a totally new person, and that too such an educated and qualified doctor, left a deep mark on Krishna Bhava Prabhu, strengthening his conviction for sharing this wealth of knowledge

with all.

### **A leap of faith**

"Initially, there was some hesitation in approaching people and asking them to utilize their money for distributing Bhagavad Gita. But then I thought it's not for me, this is for Krishna. I was confident in my heart that this is the most selfless thing I have ever done and the cause gave me strength. It's an opportunity for others to come in contact with Krishna as well. I thought if Bhagavad Gita is mercy of Krishna, why keep my own family and relatives bereft of it. I started with my own relatives and requested them to contribute in distributing Bhagavad Gita". A formidable team was made by Krishna Bhava Prabhu and His brother Raktak Prana Prabhu.

They made a list of all the clients and then started visiting them along with Kadamba Bihari Das, a resident monk from ISKCON Punjabi Bagh. They would share the importance of this knowledge especially in modern times for peace, direction and happiness of society and would request the person for his/her help in sharing this knowledge. The team indeed ran a marathon for 30 non-stop days and they could distribute 20,000 copies this way in 2017.

There was this one client, who just wanted to sponsor 250 Bhagavad Gitas but did not want to distribute any by himself. Krishna Bhava Prabhu still sent him 250 copies with special thanks and printing the name of their company as sponsors, on the first page. Those copies were then arranged to be sent to Jammu for distribution. The entire incident was forgotten. One fine day, one person called their company and told them that he was about to commit suicide. Just before hanging himself, he saw a copy of Bhagavad Gita and opened it. Upon opening and reading for some time, he gave up the idea of suicide. He found the company number as sponsors and called them







to thank them. He later got connected to devotees and is currently practicing his spiritual life.

This left a deep impression on both - the person who sponsored Bhagavad Gita and on Krishna Bhava Prabhu.

### **How can I increase my seva? Distributing 50,000 Gitas**

He also completed his Bhakti Shastri in the year 2015, attending and studying all classes at an advanced age of 60, Submitting all slokas, CBA and OBAs. He is one of those persons who likes to quote verses from Gita during his conversations. Being inspired by his personal study of Bhagavad Gita especially the section where Krishna is expressing his heart "one who shares this knowledge is most dear to me", he resolved to do more in the service of Bhagavad Gita.

Krishna Bhava Prabhu, through his faith in the sastra, has been steadily increasing his distribution over the years. Over the last few years, he and his brother Raktak Pran Das (along with their family) have been distributing around 35000 Bhagavad Gitas in the marathon. This being the 125th birth year of Srila Prabhupada, he strove to distribute 50,000 Bhagavad Gitas and achieved that. Throughout

the year his meditation is on how to distribute more and more Gitas during the marathon. He manages all the accounts of distribution, wishes all the people who are supporting in service of Krishna with genuine love and affection, and most importantly works honestly and maintains high quality work in his profession that builds trust with all his clients. His heart is full of devotion, honesty and concern for others. He spends from his own pocket giving gifts as a token of gratitude to all the persons who contribute towards this service. He has decorated his entire office with quotes on Bhagavad Gita distribution and people entering the office marvel at these gems.

Apart from distribution, he contributes to building temples and loves to serve Vaishnavas in whatever way he can. He regularly sends very high-quality fruits for the deities and all the devotees in the temple. One may be surprised at his recalling of various examples, analogies, philosophical concepts presented in Srila Prabhupada's books so freely in the conversation despite him not reading all the books. These indeed are the blessings of guru and sastra for his service over the years.

"To avoid any miscommunication, side talk and conflict within family over financial spending towards the temple, we have made a system that a predetermined percentage of all our income will be spent only for Krishna and his services. We have made a separate bank account in God's name and whatever money we receive, that percentage goes to that account. Initially we were somewhat reluctant how we would be able to do that, but surprisingly we noted that Krishna's account is never empty."

Due to his sharing of Krishna consciousness, currently in his family of 30 members, 11 members have taken initiation and others are also practicing. He faced two severe life crisis health situations over the last couple of years but nothing diminished his enthusiasm for serving Krishna.

His brother Raktak Prana Das recalls, "The quality that I appreciate the most in him is that he is always ready to serve Krishna. He likes to say YES to Krishna and his service opportunities. I personally hesitate so many times and am often reluctant but I have seen him saying YES without hesitation. He always says, "I am just an instrument"."





- Previous Acharya's Books
- Contemporary ISKCON Devotee's Books
- Children Books
- Value Education Books
- History and Biography Books
- 350+ Titles
- 20+ Categories
- Over 7 lakhs books Printed & Distributed

**Flat 10% Discount on our Online store. Use Coupon Code: **GOLDEN10** at checkout.**



[www.goldenagemedia.org](http://www.goldenagemedia.org)



8506805060, 9310800832



[info@goldenagemedia.org](mailto:info@goldenagemedia.org)





## Upcoming events:

### ✿ Watering the Little Saplings (1st Aug) (ISKCON, Punjabi Bagh)

Value education starts from home and continues throughout life, but imparting value education in schools plays a major part in a child's life. Value-based education helps in character building, personality development, and the spiritual development of a child. After reaching out to 2,30,000 students last year, the program is being launched again. This year, Faith for Earth Councillor, Ministry of Environment has decided to provide support for this program.



## आगामी कार्यक्रम

### ✿ छोटे पादपों को पानी देना (1 अगस्त) (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

मूल्य शिक्षा घर से ही आरम्भ होती है और जीवन भर चलती रहती है, किन्तु स्कूलों में मूल्य शिक्षा प्रदान करना, बच्चे के जीवन में एक प्रमुख भूमिका निभाता है। मूल्यों पर आधारित शिक्षा बच्चे के चरित्र निर्माण, व्यक्तित्व विकास एवं आध्यात्मिक विकास में सहायक होती है। विगत वर्ष 2,30,000 छात्रों तक पहुँचने के उपरान्त, कार्यक्रम पुनः आरम्भ किया जा रहा है। इस वर्ष, पृथ्वी पार्षद हेतु आस्था, कार्यक्रम को पर्यावरण मंत्रालय ने सहायता प्रदान करने का निर्णय लिया है।

**INTERNATIONAL VALUE EDUCATION OLYMPIAD**

**Category A- Class V - VII**  
**Category B- Class VIII - XII**

**1ST PRIZE LAPTOP** **2ND PRIZE FIREFOX CYCLE** **3RD PRIZE KINDLE**

**F FREE REGISTRATION**  
**R BHAGVAD GITA**  
**E ONLINE SESSIONS**  
**E ONLINE BOOKLET**

**REGISTER NOW**

**FOLLOW US** [Social Media Icons]

### ✿ Radha Govinda Jhulan Yatra (8th to 12th August)

The Monsoon season is one of exquisite beauty in Vrindavana. The green transcendental landscape offers itself to be enjoyed by the Lord and His consorts, in the form of innumerable festivals celebrated during this time. The Jhulan Yatra is one in which Their Lordships are offered service through swings, which move slowly and give immense

### ✿ राधा गोविंद झूलन यात्रा (8 से 12 अगस्त)

वृंदावन में मानसून का मौसम, वहाँ के उत्तम सौंदर्य में से एक है। वहाँ की हरितिमा का दिव्य परिदृश्य, इस मौसम में मनाये जाने वाले असंख्य उत्सवों एवं त्योहारों के रूप में भगवान एवं उनकी पत्नियों द्वारा, आनंदित होने हेतु स्वयं को प्रस्तुत कर देता है। झूलन यात्रा उन्हीं में से एक है, जिसमें परम भगवान् को झूलों के माध्यम से सेवा प्रदान की जाती है, जो



pleasure to the divine couple. Amidst gentle showers and a cool breeze, this festival integrates service to the Lord into our daily lives. This will be celebrated with much fervor. Beautiful swings adorned with flowers and other embellishments will be used for serving the Lord. Devotees use this opportunity to pull and push the swing of the Lord and please Him.

## ✿ Disappearance day of Srila Rupa Goswami

(9th August)

Srila Rupa Goswami is one of the primary Goswamis of Vrindavana. Instructed personally by Chaitanya Mahaprabhu, Srila Rupa Goswami proceeded to Vrindavana, to write literature that will guide the coming generation of Vaishnavas. His disappearance day will be celebrated with pushpanjali and kirtan.



## ✿ Appearance of Lord Balarama (12th August)

Lord Balarama is the first expansion of the Lord. He is non-different from the Lord. His mercy is of paramount importance for attaining the merciful glance of Krishna. Established as Adi-Guru, for being the spiritual master of the entire creation, Lord Balarama instructs on how to offer service to Their Lordships. His appearance will be celebrated with abhishek, kirtan, and feast. Devotees observe the fast, chanting glories of the most munificent Lord Balarama.

धीरे-धीरे झूलता है और युगल मूर्ति को अत्यधिक आनंद प्रदान करता है। बारिश की रिमझिम फुहारों एवं शीतल मंद पवन के मध्य, यह उत्सव, भगवद सेवा एवं भक्ति को हमारे दैनिक जीवन में अंगीकार करवाता है। इस उत्सव को अत्यंत धूमधाम से मनाया जाएगा। फूलों एवं अन्य अलंकरणों से सजे सुंदर झूलों का उपयोग भगवान की सेवा हेतु किया जाएगा। भक्तगण इस अवसर का उपयोग भगवान के झूले को खींचने एवं धक्का लगाने और उन्हें सर्वभावेन प्रसन्न करने हेतु करते हैं।

## ✿ श्रील रूप गोस्वामी जी का तिरोभाव दिवस (9 अगस्त)

श्रील रूप गोस्वामी जी वृंदावन के प्राथमिक गोस्वामीयों में से एक हैं। श्री चैतन्य महाप्रभु द्वारा व्यक्तिगत रूप से निर्देशित श्रील रूप गोस्वामी जी, उस साहित्य सृजन हेतु वृंदावन गए, जो वैष्णवों की आगामी पीढ़ियों का मार्गदर्शन करेगा। उनका तिरोभाव दिवस पुष्पांजलि एवं कीर्तन के साथ मनाया जाएगा।

## ✿ भगवान बलराम का प्राकट्य दिवस (बलराम पूर्णिमा - 12 अगस्त)

भगवान बलराम, परम भगवान के प्रथम विस्तार हैं। वह परम भगवान से अभिन्न हैं। कृष्ण की कृपा-दृष्टि प्राप्त करने हेतु उनकी दया सर्वोपरि है। संपूर्ण सृष्टि के आध्यात्मिक गुरु होने के नाते, आदि-गुरु के रूप में स्थापित, भगवान बलराम निर्देश देते हैं कि परम भगवान की सेवा किस प्रकार की जाती है। उनका प्राकट्य, अभिषेक, कीर्तन एवं भोज प्रसादम के साथ मनाया जाएगा। इस दिन भक्तगण अत्यंत उदार भगवान बलराम की महिमा का गान करते हुए उपवास का पालन करते हैं। आचार्यों द्वारा लिखे गए कीर्तन और भावपूर्ण भजन, वातावरण और भक्तों के हृदयों में गूंजते हैं।



## ✿ चातुर्मास्य का दूसरा महीना आरम्भ (13 अगस्त)

चातुर्मास्य के दूसरे महीने में, दही से संयमन (परहेज) रखा जाता है। इसका आरम्भ 13 अगस्त से होगा।

## ✿ श्रीकृष्ण जन्माष्टमी (19 अगस्त)

जैसा कि भगवद गीता में प्रतिज्ञा की गई है, धर्म की स्थापना करने एवं अपने प्रिय भक्तों के साथ मधुर लीलाओं का आस्वादन करने हेतु कृष्ण समय-समय पर प्रकट होते हैं। उनका प्राकट्य जीवात्माओं के जन्म से भिन्न है, एवं शास्त्र भी सुनिश्चित करते हैं कि जो व्यक्ति भगवान की दिव्य स्थिति को सैद्धांतिक रूप से जानता है, वह भौतिक संसार में पुनः कभी नहीं लौटता है। भगवान का प्राकट्य उनकी लीलाओं एवं निर्देशों का स्मरण करने तथा उनके और उनके भक्तों के लिए प्रेम विकसित करने का एक स्वर्णिम अवसर है। श्री कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व अभिषेक एवं विस्तृत पंडाल कार्यक्रमों के साथ मनाया जाएगा।



Kirtan and soulful bhajans written by acharyas reverberate in the atmosphere and the hearts of devotees.

### ✿ **Second Month of Chaturmasya begins (13th August)**

In the second month of Chaturmasya, abstinence from curd is observed. This fasting will begin on 13th August.

### ✿ **Sri Krishna Janmashtami (19th August)**

As promised in the Bhagavad Gita, Krishna appears from time to time, to establish dharma and reciprocate with His beloved devotees. His appearance is unlike the birth of jivatmas, and scriptures ensure that one who knows the position of the Lord, in principle, never returns to the material world. The Lord's appearance is an occasion to remember His pastimes, and instructions and develop a love for Him and His devotees. The festival of Krishna Janmashtami will be celebrated with abhishek, and elaborate pandal programs. A cultural program with drama, kirtan, and rock show, will be organized. Krishna katha will be held in the auditorium for a period of a week. The same shall be relayed online. The temple and the deities will be dressed for darshans. Devotees shall preach the message of the Lord to all those who visit. Sumptuous prasadam will be distributed.

### ✿ **Appearance day of Srila Prabhupada (20th August)**

Srila Prabhupada is one of the primary saints of the Modern era. His contribution to the spread and promotion of Vaishnavism, all around the globe, is unprecedented. He is held in great esteem in not only the Vaishnava sampradaya but all over the world, for bringing Vedic culture to the Western world, making it accessible to all living entities without the barriers of race, culture, nationality, color or gender. Prabhupada transformed millions through his love and purity. His gift of bhakti is the rarest of rare gifts imparted by an ascended master. Srila Prabhupada's appearance day will be celebrated with kirtan, feast and abhishek. Devotees will lovingly cook 56 bhoga for their beloved Prabhupada. This offering will be made in a big pandal program.

ड्रामा, कीर्तन और रॉक शो के साथ ही अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा। सभागार में एक सप्ताह तक कृष्ण कथा होगी। इसका यू-ट्यूब पर सजीव प्रसारण भी किया जाएगा। मंदिर और भगवद विग्रहों को दर्शनों हेतु सजाया जाएगा। भक्तजन, सभी आगंतुक श्रद्धालुगणों को भगवद संदेश का प्रचार करेंगे। भव्य प्रसाद का वितरण भी किया जाएगा।



### ✿ **श्रील प्रभुपाद का प्राकट्य दिवस (20 अगस्त)**

श्रील प्रभुपाद आधुनिक युग के प्राथमिक संतों में से एक हैं। संसार भर में वैष्णववाद के प्रचार और प्रसार में उनका अभूतपूर्व योगदान है। वैदिक संस्कृति को पाश्चात्य जगत में पहुँचाने तथा जाति, संस्कृति, राष्ट्रीयता, रंग अथवा लिंग की बाधाओं के बिना ही इसे सभी जीवों हेतु सुलभ बनाने में, न केवल वैष्णव संप्रदाय में अपितु अखिल विश्व में उनका अत्यंत सम्मान किया जाता है। प्रभुपाद ने अपने प्रेम और पवित्रता से लाखों लोगों का हृदय परिवर्तन कर दिया। उनके द्वारा प्रदत्त भक्ति का उपहार, एक आरोही गुरु द्वारा दिया गया दुर्लभ उपहार है। श्रील प्रभुपाद का प्राकट्य दिवस कीर्तन, भोज-प्रसादम और अभिषेक के साथ मनाया जाएगा। भक्तगण अपने प्रिय प्रभुपाद के लिए अत्यंत प्रेम पूर्वक 56 भोग पकाएंगे। यह प्रसाद एक बड़े पंडाल कार्यक्रम में अर्पित किया जाएगा।





# PREACHING CENTRES AROUND DELHI NCR

## ISKCON, EAST OF KAILASH

**Chirag Delhi**-168, Sejal Chowpal, Near Subzi Mandi  
Chirag Delhi, New Delhi-110017

Contact at: 9911717110, 9910381818, 9810484885  
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

**Okhla**- Chhuria Muhalla Chowpal, Tehkhand Village  
Okhla, Phase – I, New Delhi-110020  
Contact at: 8588991778, 9810016516, 9911613165, 9971755934  
Program: Every Tuesday, Evening 7 PM to 9 PM

**Kotla Mubarakpur**- Shri Omkareshwar Shiv Mandir  
(Panghat wala), Gurudwara Road  
Opp. Sher Singh Bazar, Kotla Mubarakpur, New Delhi-110003  
Contact at: 9350941626, 9818767673, 9311510999  
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

**Khanpur**- B-192-B, Jawahar Park, Devli Road  
(Near Cambridge School), Khanpur, New Delhi-110062  
Contact at: 9818700589, 9810203181, 9910636160  
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

**Hari Nagar, Ashram**- 217, Saini Chaupal, Ashram Or 119, VIIT Computer  
Institute (Basement)  
Hari Nagar, Ashram, New Delhi-110014  
Contact at: 9811281521, 011-26348371  
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

**East Vinod Nagar**-E – 322, Gali No. 8, East Vinod Nagar, Delhi-110091  
Contact at: 9810114041, 9958680942  
Program: Every Saturday, Evening 6.30 PM to 8.30 PM

**Sriniwas Puri**-Sanatan Dharam Durga Mandir  
1st Floor, J J Colony near to Gurudwara, Sriniwas Puri,  
New Delhi-110065  
Contact at: 9711120128, 9654537632  
Program: Every Wednesday, Evening 7.30 PM to 9 PM

**Sangam Vihar**- E-6/102, Near Mahavir Vatika  
Sangam Vihar, New Delhi-110080,  
Contact at: 9212495394, 9810438870  
Program: Every Sunday: Evening 5 PM to 8 PM  
Every Morning: 5 AM to 7 AM (Mantra Meditation)  
Every Evening: 7 PM to 9 PM (Aarti)

**Boat Club**-Rajpath Lawn near Central Secretariat Metro Station,  
New Delhi -110001, Every Wednesday 1PM -2 PM  
Contact : 9560291770, 9717647134

**Panchsheel Enclave**-ISKCON DIVE, A-1/7 Panchsheel Enclave,  
New Delhi-110017

**Mayur Vihar**-Srivas Angan Namahatta Center, 223-A Pkt.  
C ph.2 Mayur Vihar  
Every Saturday 5.30 - 7.30 PM  
Contact ~ 9971999506 & 9717647134

**Sarojini Nagar**-Bharat Sewak Samaj Nursery School, Opp. Keshav Park,  
Sarojini Nagar Market, New Delhi – 110023  
Every Monday 6 PM to 8 PM  
Contact : 9899694898, 9311694898

**Lodi Road**-Pocket – 2 Park, Lodhi Road Complex, New Delhi – 110003  
Every Saturday 5 PM to 7 PM  
Contact : 9868236689, 8910894795

**R.K.Puram**-DMS Park (Opp. House No. 238), Sector - 7, R.K. Puram,  
New Delhi –22, Every Sunday 5 PM to 7 PM  
Contact: 9899179915, 860485243, 8447151399

**Gole Market**-Model Park, Sector – 4, DIZ Area, Gole Market,  
New Delhi – 110001  
Every Saturday 5 PM to 7 PM  
Contact: 9560291770, 9717635883

**Sant Kanwar Ram Mandir**-6.15pm. Every MONDAY at Jal Vihar Road, Lajpat  
Nagar -2, New Delhi Contact- 9971397187.

**East of Kailash**-Katha - Amritam, 6.45 pm every Sunday, Venue- Prasadam  
Hall, ISKCON Temple, Contact: 99582 40699, 70113 26781.

**East of Kailash**-Yashoda Angan, 6.45pm every Sunday, Venue- JCC Room,  
Iskcon temple, East of Kailash, Contact:- 97110 06604

## ISKCON, GURUGRAM

**RADHA KRISHNA MANDIR**-New Colony, Gurugram,  
Every Saturday-6:30 to 8:30PM  
Melodious Kirtan, Discourse on wisdom of Bhagvad Gita and Krishna Prasadam

**Rail Vihar Community Center**  
Sec 47, Gurugram, Every Wednesday 7:00 to 9:30PM, Melodious Kirtan,  
Discourse on wisdom of Bhagvad Gita and Krishna Prasadam

**Katwaria Sarai** - F 117, Basement, Near well No 1, Katwaria Sarai  
New Delhi 110016. Contact: +91 75033 48819, Youth program - Every Friday 7.30 PM.  
Family program - Every Saturday 7.30 PM

**Ladosarai** - F-6, Hare Krishna wali Gali, Near Panchayat Bhawan, Ladosarai, New  
Delhi-110030. Contact No.: 7011003974, 9888815430, 9717600814. Youth Program:  
Tuesday 07:30 PM; Congregation Program: Sunday- 5:00 PM

**Mehrauli** - Opposite Agarwal Dharmashala, Mehta chowk,  
Ward no 8, Mehrauli , New Delhi 110030.  
Contact: 9711862441, 9911399960, 9810565805.  
Congregation Program: Every Saturday, 4-6 PM;  
Youth Program: Every Sunday, 4-5PM

**Chattarpur** - Nitin Niwas H. No. 133, Chattarpur, Near Tyagi Chaupal,  
Near Axis Bank ATM, South Delhi, 110074,  
Contact: 9910290149  
Program: Every Sunday 5.30PM To 7.30PM

**Aya Nagar 1**- Shiv Hansa Complex, Phase VI, G Block, Bandh Road,  
Opp Max Gain Shopping Centre, Aya Nagar.  
Contact: 9953891845, 8860681843, Program: Every Sunday, 6 To 8 PM

**Aya Nagar 2**- Opp MCD School, Near Easy Day, Main Road, Aya Nagar, Delhi.  
Contact: 9899729858, 8368656274  
Program: Every Sunday 4 To 6 PM

**Malviya Nagar** - 90/77, Basement, Behind Malviya Hospital, Malviya Nagar.  
Contact No. 8097263066, Program: Every Saturday 6PM Onwards

**Khirk Extension** - JG-35, Near Krishna Temple, Inside Left Street, Khirk Extension.  
Contact No. +91 98911 27996  
Program: Every Sunday 5 PM Onwards

**Kishan Garh** - H.No.602, Ward No.3, Bhuiyan Chowk ,Gaushala Road  
Kishangarh,Vasant Kunj. Contact No- 8447358738  
Every Sunday, 3:00 PM onwards

**Sangam Vihar** - D-170, Gali no. 4, Hare Krishna Centre Barsana Dham,  
Nearby Sona Sweets, Sangam Vihar, New Delhi-110080.  
Contact number:- 8851286364, 8447042470, Every Saturday; 6:00 PM-8:00PM;  
Every Friday and Sunday; 5:30-7:00AM onwards

**East Of Kailash** - 194 FF Amritpuri Garhi, East of Kailash, Near MCD School,  
New Delhi-110065. Contact: 9811347826, 9990503548.  
Youth Program:- Saturday 7:00 PM

**Ber Sarai** - House number -2, Near Government Dispensary, BerSarai, New Delhi,  
Contact - 8882347935, 7065835531  
Youth Program : Monday 7:00PM, Congregation Program : Saturday 4:00PM

**Vasant Kunj** - B100 (Basement), B Block, Mother Dairy, Vasant Kunj Enclave,  
New Delhi-110070. Contact No.: 8860246574, 8879005088.  
Every Sunday- 04:00 PM

**Saket** - C-109, Ground Floor, Near Mother Dairy, Paryavaran Complex, Saket,  
New Delhi-110030, Contact: 8287713680, 8130505488, 9667427986  
Youth Program: Saturday 07:00 PM; Congregation Program: Friday 07:00 PM

**Tigri Extension** - C-10 Hare Krishna Centre, Maha Shiv Shakti Mandir,  
Tigri Extension, New Delhi-110080. Contact: 8851286364, 9810433117  
Every Sunday, 11:00am - 1:00PM

**Ghitorni** - House no. 270, Balmiki choupal, Near Kali Mata Mandir, Ghitorni,  
New Delhi-110030, Contact No. -9975756916, 7065835531  
Youth Program- Thursday-7:00PM

**Sultanpur** - 2nd floor,Waliya house,near Gurudwara, Sultanpur, Delhi 110030.  
Contact-9667478077. Youth program-Sunday 7:00 PM;  
Congregation Program-Friday 5:00 PM

**Prahlad Pur** - A-132, DDA Flats, Prahladpur New Delhi 110044  
Contact: 9999464382, 9650543321, Every Sunday 04:00 PM

**Paharganj** - 1st Floor, Radha Krishna Mandir, Near Jain Mandir, Mantola, Paharganj,  
Contact No. 9818188182; 9810224106  
Program: Every Saturday 7:00 To 8:00 PM



# Nitya Seva

Nitya Seva-Niswartha Seva is a selfless monthly donation program for serving the Lord. It's purely voluntary, based on the desire, inclination and capability of the donor. The mode of donation could be through cash, cheque or ECS. One can choose to donate any amount as Lord Krishna sees our intent behind that donation. A formal receipt will be provided for each donation. For more details,

- Sri Sri Radha Parthasarathi Nitya Vighraha Sewa including bhoga offerings (fruits, vegetables, dry fruits, wheat flour, sugar, desi ghee, etc), deity dresses, deity jewellery and other paraphernalia, Please contact HG Janmashtami Chandra Prabhu @ 7011326781, 9999035120
- For ISKCON, East of Kailash, Please contact HG Baladeva Sakha Prabhu @ 9312069623
- For ISKCON, Punjabi Bagh, Please contact HG Premanjana Prabhu @ 9999197259.
- For ISKCON, Dwarka, Please contact HG Archit Prabhu @ 9891240059.
- For ISKCON, Gurugram, Please contact HG Narhari Prabhu @ 9034588881.
- For ISKCON, Faridabad, Please contact HG Ravi Shravan Prabhu @ 9999020059
- For ISKCON Panchsheel, Please contact HG Advaita Krishna Prabhu @ 9810630309/HG Rasraj Prabhu @ 9899922666



## International Society for Krishna Consciousness

Founder Acharya - HDG A.C. Bhaktivedanta Swami Prabhupada

ISKCON, East of Kailash - Hare Krishna Hill, East of Kailash, New Delhi-65

Web: [www.iskcondelhi.com](http://www.iskcondelhi.com) | Live Darshan: [live.iskcondelhi.com](http://live.iskcondelhi.com)

Facebook: [www.facebook.com/iskcondelhi](http://www.facebook.com/iskcondelhi), Contact: 011-41625804, 26235133

**ISKCON, Punjabi Bagh** - 41/77, Srila Prabhupada marg,  
West Punjabi Bagh, Delhi-26  
Contact Person: HG Premanjana Prabhu (8802212763)

**ISKCON, Dwarka** - Plot No.-4, Sector-13, Dwarka, New Delhi-110075  
Web: [iskcondwarka.org](http://iskcondwarka.org), Facebook: [www.facebook.com/iskcon.dwarka/](http://www.facebook.com/iskcon.dwarka/)  
Contact: 9891240059, 8800223226

**ISKCON, Gurugram** - Sudarshan Dham, Main Sohna Road,  
Badshahpur, Gurugram  
Contact Person: HG Narhari Prabhu : 9034588881

**ISKCON, Faridabad** - Sri Sri Radha Govind Mandir, Gita Bhawan,  
C-Block, Ashoka Enclave-II, Sector-37, Faridabad,  
Phone : 0129-4145231  
Email : [gopisvardas@gmail.com](mailto:gopisvardas@gmail.com)

**ISKCON, Bahadurgarh** - Nahara-Nahari Road, Line Par Bahadurgarh,  
Haryana - 124507, Phone: +91-9250128799  
Email: [info@iskconbahadurgarh.com](mailto:info@iskconbahadurgarh.com)

**ISKCON, Rohini** - Plot No-3, Institutional Area, Main Road,  
Sector-25, Rohini New Delhi 110085  
Phone: +91-9871276969  
Email: [iskcon.rohini@gmail.com](mailto:iskcon.rohini@gmail.com)

**ISKCON Gurugram (Badshahpur)** - Sudarshan Dham,  
Gurgaon-Sohna Road, Badshahpur,  
Gurgaon (2.5kms from Vatika Business park), Gurugram, Haryana 122001  
Phone: +91-9250128799, Email: [info@iskconbahadurgarh.com](mailto:info@iskconbahadurgarh.com)

**ISKCON Ghaziabad** - 11, ISKCON CHOWK R, 35, Hare Krishna Marg,  
Block 11, Raj Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh 201002  
Phone: 081309 92863, Email: [iskcon.ghaziabad@pamho.net](mailto:iskcon.ghaziabad@pamho.net)

**ISKCON Chhattarpur** - Village Near Shani Dham Mandir, Asola,  
Fatehpur Beri, New Delhi, Delhi 110074  
Phone: 099537 40668

**ISKCON Gurugram** - ISKCON, Plot No 0, Near Delhi Public School,  
Sector-45, Gurugram, Haryana-122003  
Phone: 09313905803, 08920451444, 09810070342  
Email: [iskcongurugram.sec45@gmail.com](mailto:iskcongurugram.sec45@gmail.com)

**Sri Sri Radha-Vallabh Temple** - 2439, Chhipiwara, Chah Rahat,  
Jama Masjid Rd, Old Delhi, Delhi-110006  
Phone: 098112 72600

**Sri Sri Radha Govind Dev Temple** - Opposite NTPC Office, A-5,  
Maharaja Agrasen Marg, Block A, Sector 33, Noida, Uttar  
Pradesh-201301  
Phone: 095604 76959